बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

सरकारी प्रतिवेदन ।

(भाग 1—कार्यवाही प्रश्नोत्तर।)

वृहस्पतिवार, तिथि 24 जून 1976।

विषय-सूची।

	पृष्ठ।
अखबारों में नाम छपने के संबंध में अध्यक्ष से निवेदन ..	1
प्रश्नों के मौखिक उत्तर—	
अल्पसूचित प्रश्नोत्तर संख्या 5	1—10
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 243, 246, 247, 249, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 259, 260, 261, 263, 264, 266, 267 268, 269, 270, 272, 273, 274, 275, 276, 278, 280; 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 291, 292, 293, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 304, 305, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339।	11—82
दैनिक निबंध	83—85

टिप्पणी—जिन मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है; उनके नाम के आगे (*) चिन्ह लगा दिया गया है ।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

गंगा पुल की नींव में दरार।

*234. श्री चन्देश्वर प्रसाद---क्या मंत्री, लोक निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि---

(1) क्या यह बात सही है कि गंगापुल की नींव के कुंओं में दरार हो गई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि खराब मेटेरियल देने के कारण ही गंगापुल की नींव के कुंओं में दरार हो गयी है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार इस संबंध में कौन-सी कार्रवाई करने का विचार करती है ;?

प्रभारी मंत्री, लोक-निर्माण विभाग--(1) उत्तर स्वीकारात्मक है। गंगापुल के कुंआ नं० 10 में दरार हुआ है।

(2) दरार के कारणों की जांच के लिए एक उच्चस्तरीय जांच समिति सरकार के द्वारा बनाई गई है, जिसके अध्यक्ष डा० जय कृष्ण, उप-कुलपति, रुड़की अभियंत्रण विश्वविद्याशय हैं। जांच समिति के प्रतिवेदन के पश्चात् ही दरार पड़ने का कारण प्रकाश में आएगा।

(3) उपर्युक्त उत्तर के संदर्भ में अभी यह प्रश्न नहीं उठता है।

श्री जनार्दन तिवारी—अध्यक्ष महोदय, उत्तर मिल गया है। मैं इतना ही जानना चाहता हूं कि उच्चस्तरीय जांच समिति जो डाक्टर जय कृष्ण, उप-कुलपति, रुड़की अभियंत्रण विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में बनी है, वह कब बनी है और इसकी अबतक कितनी बैठकें हुई हैं ?

श्री विद्याकर कवि—अध्यक्ष महोदय, उच्चस्तरीय जांच समिति के चेयरमैन और कुछ सदस्य आये हुये हैं। उन्होंने इसकी तहकीकात की है 14 जून को और उसके बाद 23-24 तारीख को दिल्ली में बैठक होनेवाली थी, जो शायद हो गयी हो या होगी, उसमें इन बातों पर भी विचार करेंगी।

श्री जार्दन तिवारी—अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि रिपोर्ट कबतक मिल जाने की आशा है ?

श्री विद्याकर कवि—हमलोगों ने अनुरोध किया है कि जल्द से जल्द रिपोर्ट मिल जाय लेकिन कुछ कठिनाइयां हैं जिससे विलम्ब हो सकता है क्योंकि उनलोगों

ने सुझाव दिया है कि पानी के भीतर भी फोटो खिचवाया जाय और फोटो खींचने की जो प्रक्रिया है, उसमें कुछ विलम्ब हो सकता है।

श्री तेज नारायण झा—अध्यक्ष महोदय, इस संबंध में माननीय मंत्री महोदय को जुलाई, 1975 में एक रिपोर्ट भेजी थी अपने अनुभव और सूचना के आधार पर और माननीय मंत्री महोदय ने कहा था कि इस पर हम हाई लेभल पर जांच करायेंगे तो मंत्री महोदय ने उस कागज पर कोई जांच करवायी है या नहीं ?

श्री विद्याकर कवि—अध्यक्ष महोदय, अभी प्रश्न यहां गंगा ब्रिज में दरार होने से जो स्थिति उत्पन्न हुई, उसके संबंध में है, इसलिये उसका जवाब अभी कैसे दे सकते हैं ?

श्री तेज नारायण झा—अध्यक्ष महोदय, मैंने उस कागज में यही लिखकर दिया था कि इसके कारण दरार का होना निश्चित है, यह पाया जो बना है, निश्चित रूप से टूटेगी ही क्योंकि मेटेरियल जो स्पेसिफिकेशन के अनुसार देना चाहिए था, वह नहीं दिया गया।

श्री विद्याकर कवि—अध्यक्ष महोदय, यह अभी कैसे उठता है, अभी जिस प्रश्न पर जवाब हो रहा है, उसमें इसका जवाब हम निश्चित रूप से कैसे दे सकते हैं ?

अध्यक्ष—अभी इसके संबंध में चर्चा नहीं है इस प्रश्न में, इसलिये इसमें इसका जवाब नहीं दिया जा सकता है।

श्री सुनील मुखर्जी—अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री तेज नारायण झा का कहना है कि यही प्रश्न उन्होंने जुलाई 1975 में दिया था ?

अध्यक्ष—माननीय सदस्य श्री तेज नारायण झा का पूरक अभी जो प्रश्न सदन में चल रहा है उससे उठता होता तो मैं सरकार को उत्तर देने के लिये बाध्य करता।

श्री तेज नारायण झा—क्या सरकार को पता है कि इंडियन नेशन अखबार में गत वर्ष गंगा ब्रिज में दरार फटने के संबंध में जो समाचार निकला था उसपर तिवारीजी ने प्रश्न पूछा था ?

अध्यक्ष—इस तरह से पूछे गये प्रश्न का उत्तर नहीं दिया जा सकता है। आप भी मंत्री रह चुके हैं और मैं भी मंत्री रह चुका हूं। बहुत प्रश्नों का उत्तर

दिया है और सुना भी है लेकिन इस तरह से कि इंडियन नेशन में ऐसा निकला था और उसका उत्तर सरकार दे, यह संभव नहीं है।

श्री तेज नारायण झा--यहां जो लिखकर दिये थे, उसका जवाब तो देंगे न ?

अध्यक्ष--एक बात मैं मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं। मैं समझता हूं कि सदन की भी राय है कि आपने जो उच्चस्तरीय समिति स्थापित की, कायम की, टर्म्स ऑफ रेफरेन्स उनके क्या हैं, वह जरा बता दें।

श्री विद्याकर कवि--अध्यक्ष महोदय, उसमें दो तीन बातें कहीं गयीं हैं। एक तो जो दरार हुई है, उसका क्या कारण है, दूसरा यह भी दिया गया है कि और जो दूसरा पाया है क्या उसमें भी दरार होने की संभावना है और तीसरा है कि इसके सुधार के लिये क्या उपाय हो सकता है ?

अध्यक्ष--शांति। समिति उचित फैसले पर पहुंच सके, इसके लिये माननीय सदस्य श्री तेज नारायण झा ने जिस पत्र की चर्चा की है, यदि आपके पास उपलब्ध नहीं है तो माननीय सदस्य से प्राप्त कर उस पत्र को भी आप वहां भेज दें क्योंकि वे कह रहे हैं कि पहले ही उस पाया को उन्होंने देखा था और उससे अंदाज किया था कि इसमें दरार हो जायगा। उसी संबंध में उनका वह पत्र है।

श्री राम लखन सिंह यादव--हुजूर, सरकार के द्वारा डाक्टर जय कृष्ण की अध्यक्षता में जो उच्च स्तरीय कमिटी बनायी गयी है, उसमें कौन-कौन सदस्य हैं और ऐसी बात तो नहीं है कि जिन नामों की चर्चा सरकार ने कमिटी बनाने के पहले की थी, वही सब रह गये या उसमें तब्दीली हुई है ?

श्री विद्याकर कवि--उच्च स्तरीय समिति के गठन की अधिसूचना दिनांक 27 मई, 1976 को हुई जिसका संशोधन 21 जून 1976 द्वारा किया गया। इसमें निम्नलिखित सदस्य हैं :—

(1) श्री जय कृष्ण, उप-कुलपति, रुड़की इंजीनियरिंग युनिवर्सिटी, रुड़की, अध्यक्ष।

(2) श्री जे० वेंकट सुलु, मुख्य अभियंता, सेतु, भारत सरकार, परिवहन मंत्रालय।

(3) श्री एम० जी० नैय्यर, निदेशक, रिसर्च, डिजाइन एवं स्टैन्डर्स आरगेनिजेशन, रेलवे मंत्रालय, लखनऊ।

(4) श्री डा० दिनेश मोहन, निदेशक, नेशनल बिल्डींग-रिसर्च-इंस्टीच्यूट, रुड़की।

(5) डा० तमन्हकर, सहायक निदेशक, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेन्टर, रूड़की।

(6) श्री संतोष दास गुप्ता, अभियंता प्रमुख-सह विशेष सचिव, लोक-निर्माण विभाग, विहार--संयोजक।

अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने दूसरी बात यह कही है कि इसमें जिनका नाम पहले दिया गया था वे ही हैं या उसमें वदली हुई है, तो मैं उन्हें यह बता देना चाहता हूं कि भारत सरकार के प्रतिनिधि के बारे में हमलोगों ने कहा था तो उन्होंने कहा कि वे यहां से नहीं जा सकते हैं, उन्हीं लोगों को वदली हुई है।

अध्यक्ष—उन्हीं की राय से ?

श्री विद्याकर कवि—हां।

श्री भोला प्रसाद सिंह—क्या यह बात सही है कि रांची-बरहागोला रोड के जो प्रभारी अभियंता थे उन्हीं को गंगापुल का प्रभारी अभियंता बनाया गया जबकि रांची-बरहागोला रोड के निर्माण के समय में इनपर गड़बड़ी का इल्जाम था ? क्या सरकार की यह नीति नहीं है कि जब किसी अभियंता पर कोई बड़ा इल्जाम हो तो उसके पूर्व के चरित्र को देखते हुए किसी बड़े स्कीम का प्रभारी बनाया जाय ?

श्री विद्याकर कवि—अध्यक्ष महोदय, इससे यह प्रश्न नहीं उठता है।

श्री प्रभुनाथ सिंह—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जिस मैन और मेटेरियल के चलते इसमें दरार पैदा हुई है तो क्या अंतिम जांच प्रतिवेदन आने तक काम स्थगित है या उसी मेन और मेटेरियल से काम हो रहा है ?

श्री विद्याकर कवि—गंगा ब्रिज के इंजीनियर्स के तरफ से सुझाव आया था कि पानी हटाने का काम चालू रखा जाय लेकिन हमने निर्देश दिया है कि जब तक उच्च स्तरीय समिति का सुझाव नहीं आ जाता है तबतक काम को स्थगित रखा जाय और उस समिति के सुझाव के अनुसार ही काम किया जाय।

श्री रामजी प्रसाद सिंह—मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि श्री भवानन्द झा जो एक वरीष्ठ इंजीनियर हैं और उनका चरित्र भी उत्तम है और निगरानी सेल में भी काम करते हैं तो उनको इस कमिटी में क्यों नहीं रखा गया ?

अध्यक्ष—आप यह पूछिये कि जिन सदस्यों को आपने रखा है उसका क्या औचित्य है, उनका क्या क्वालिफिकेशन है? उनको (श्री भवानन्द झा को) क्यों नहीं रखा? भवानन्द झा की तरह और भी लोग हो सकते हैं।

श्री रामजी प्रसाद सिंह—अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो दास गुप्ता को रखा है मैं समझता हूं इनसे अच्छा परफीरमेंश श्री भवानन्द झा का है। तो मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि इनको क्यों नहीं रखा?

श्री विद्याकर कवि—भारत के जो विख्यात टेकनिकल एक्सपर्ट हैं उन्हीं को रखा गया है। हमने इसमें सोचा कि स्टेट के जो अफसर हैं वे इसमें नहीं रहें, भारत के जो विख्यात अफसर हैं, वे ही रहें। जहांतक दास गुप्ता का प्रश्न है ये केवल कन्भेनर का काम कर रहे हैं।

श्री आनन्दी प्रसाद सिंह—अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि ढलाई का जो महत्वपूर्ण काम हो रहा था उस समय कोई बड़े अफसर थे और उनका कोई प्रतिवेदन है? अगर कोई बड़े अफसर थे तो वे कौन थे?

अध्यक्ष—इसी के संबंध में छानबीन हो रही है।

श्री आजम—अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण और टेकनिकल सवाल है। मुझे मालूम है कि गंगा में जो पुल बना है तो उसके फाउन्डेशन में ही दरार नहीं है बल्कि नदी की मिट्टी के नीचे भी दरार है। क्या बिहार सरकार टेकनिकल एक्सपर्ट को बुलाकर इसकी जांच करायेगी और तब तक निर्माण कार्य को स्थगित रखेगी?

श्री विद्याकर कवि—अगर माननीय सदस्य अपने अनुभव के आधार पर इस तरह की तकनीकी बात देंगे तो मैं उसे समिति के समक्ष रख दूंगा।

श्री शकूर अहमद—अध्यक्ष महोदय, आजम साहब का कहना है कि सिर्फ फाउन्डेशन में ही दरार नहीं है, बल्कि पानी में भी दरार है।

(सदन में जोर-जोर की हंसी।)

श्री आजम—अध्यक्ष महोदय, शकूर साहब को क्या यह मालूम नहीं है कि सात तबक जमीन में है और सात तबक आसमान में है। इसलिये पानी के नीचे की तह में दरार है।

(हंसी।)